VISION IAS

www.visionias.in

12 DEC 2021

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1513)

Name of Candidate	Devesh Parashar		
Medium Eng./Hindi	Hindi medium	Registration Number	520497
Center	Mukharjee Nagar (MN).	Date	12/12/2021

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. In the context of protection of monuments, explain the role of the Archaeological Survey of India (ASI). Also, comment on the challenges faced by ASI and measures taken to address these. **(150 words) 10**

स्मारकों के संरक्षण के संदर्भ में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की भूमिका की व्याख्या कीजिए। साथ ही, ASI द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों और उनसे निपटने के लिए किए गए उपायों पर टिप्पणी कीजिए।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की स्थापना अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा 1861 में की गई।

तत्कालीन परिस्थितियों में यह अधिनियम भारतीय खजाने के संदर्भ में लाया गया था।

स्वतंत्रता पश्चात → ASI भारतीय विरासत और पुरातत्व के संरक्षण का प्रमुख निकाय बना। यह पुरातत्व अवशेष अधिनियम – 1958 और प्राचीन वस्तु की खोज संबंधी अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु उत्तरदायी है।

स्मारक संरक्षण में ASI की भूमिका -

- स्मारकों की अवसंरचना संबंधी देखभाल

- संबंधित परिसर में होने वाली गतिविधियों का निगरानी व विनियमन।
- स्मारकों के जीर्णोद्धार का प्रयास जैसे महाराष्ट्र में मार्कण्डेश्वर मंदिर।
- UNESCO से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।
- सरकार को आवश्यक सिफारिशें करना।

संबंधित चुनौतियाँ

- पर्याप्त वित्त की कमी
- मानव संसाधन की कमी
- राज्य स्तर के विभागों से टकराव
- लोगों में संरक्षण संबंधी पर्याप्त जागरूकता नहीं।
- शक्तियों की कमी → केवल सलाहकारी

संविधान का Art 49 स्मारकों व विरासत के संरक्षण का दायित्व राज्य को सौंपता है ASI की इसमें निर्णायक भूमिका है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Tribal art has a huge potential for acting as an economic resource and a tool for socio-economic transformation of tribals in India. Elucidate. Also highlight the challenges in this context. **(150 words) 10**

जनजातीय कला में भारत में जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिए एक आर्थिक संसाधन एवं एक उपकरण के रूप में कार्य करने की असीम क्षमता है। स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संदर्भ में विद्यमान चुनौतियों को भी रेखांकित कीजिए।

जनजातियाँ अपनी विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना के साथ कला हेतु भी जानी जाती है। लोक संगीत, चित्रकला और शिल्पकारी में इनका अत्यधिक महत्व है।

सामाजिक-आर्थिक उत्थान में जनजातीय कला की भूमिका-

(i) भारत में हैंडीक्राफ्ट्स की बढ़ती घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय मांग।

(ii) पर्याप्त कौशल और परंपरागत ज्ञान की विद्यमानता।

(iii) कम लागत में अधिक प्राप्ति का स्रोत।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) स्थानीय पर्यावरण के संरक्षण हेतु भी उपयोगी।

(v) जनजातीय संस्कृति का संरक्षण कर उनमें आत्मनिर्भरता का भाव पैदा करती है।

चुनौतियाँ

- जनजातीय क्षेत्रों का अतिक्रमण (सार्वजनिक व निजी क्षेत्र द्वारा)
- बार बार विस्थापन के कारण अलगाव
- पर्याप्त प्रोत्साहन न मिलने के कारण कौशल व उत्पादन में कमी।
- उपयुक्त विपणन अवसंरचना की कमी।
- स्वयं जनजातियों में अपनी संस्कृति से विमुख होने की प्रवृत्ति।

जनजातीय खिलौने, बिदु-काठ आदि विशिष्ट जनजातीय कला को झारखंड के द्वारा ब्रांड इंडिया के और अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Though the Government of India Act, 1919 proposed some radical administrative changes, it remained short of fulfilling aspirations of Indians. Elaborate. **(150 words) 10**

यद्यपि भारत सरकार अधिनियम, 1919 ने कुछ मौलिक प्रशासनिक परिवर्तनों का प्रस्ताव किया, तथापि यह भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ रहा। सविस्तार वर्णन कीजिए।

भारत सरकार अधिनियम - 1919 (मांटेग्यु-चेम्सफोर्ड सुधार) भारत के राष्ट्रवादियों के प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

प्रावधान

(i) द्विसदनीय विधायिका (पहली बार)

(ii) विषयों का स्पष्ट बंटवारा (आरक्षित एवं हस्तान्तरित)

(iii) चुनाव के साथ प्रतिनिधित्व का सिद्धांत पेश किया।

(iv) भारत सचिव व उसकी परिषद का खर्च ब्रिटिश सरकार पर आरोपित किया।

इन्हीं प्रावधानों के संदर्भ में यह एक स्वागत योग्य कदम था लेकिन तत्कालीन समय में यह लोगों के पूर्ण

अनुकूल नहीं था क्योंकि

(i) महत्वपूर्ण विषयों जैसे वित्त, विधि संरक्षण आदि गवर्नर जनरल के पास आरक्षित विषयों के रूप में रहे।

(ii) महिलाओं को मताधिकार नहीं।

(iii) साम्प्रदायिक निर्वाचन के विस्तार का प्रयास (सिख, यूरोपीय आदि)

(iv) वास्तविक उत्तरदायित्व को स्वीकार नहीं किया गया।

साथ ही 1927 में M.C. सुधारों की समीक्षा की योजना से भी यह सिद्ध हुआ की ये सुधार अपर्याप्त रहे थे इसी के विरोध में असहयोग आंदोलन प्रारंभ हुआ।

हालांकि इन अपर्याप्त सुधारों ने भी लोगों को राजनीतिक रूप से जागृत किया

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Often deemed as the 'forgotten conflict', the Korean War had far-reaching implications. Elucidate. **(150 words) 10**

प्रायः 'विस्मृत संघर्ष' के रूप में ज्ञात कोरियाई युद्ध के दूरगामी प्रभाव थे। स्पष्ट कीजिए।

कोरियाई युद्ध

↓

कोरियन प्रायद्वीप के क्षेत्र संबंधी अधिकार के मामले पर

↓

पश्चिमी यूरोपीय व एशियाई शक्तियों के मध्य टकराहट

दूरगामी प्रभाव

(i) पश्चिमी शक्तियों का वास्तविक स्वरूप उजागर हुआ। इससे साम्राज्यवाद के विरुद्ध संघर्ष तीव्र हुआ।

(ii) एशियाई देशों के उदय में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रोत्साहन मिला (जापान की स्थिति विशेष रूप से मजबूत हुई)

(iii) चीन जैसे देशों का एशिया में प्रभाव बढ़ा।

(iv) उपनिवेशवाद के विरुद्ध एशियाई एकजुटता ने पश्चिमी विश्व को चुनौती पेश की।

परिणाम – कोरियन प्रायद्वीप का विभाजन (उत्तर व दक्षिण के रूप में)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Explaining the origin of earth's magnetism, discuss its significance with special reference to its interaction with solar particles. **(150 words) 10**

पृथ्वी के चुम्बकत्व की उत्पत्ति की व्याख्या करते हुए, सौर कणों के साथ इसकी अंतःक्रिया के विशेष संदर्भ में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए।

पृथ्वी की आंतरिक संरचना के संदर्भ में विभिन्न मत दिए गए है। इसमें कोर-मेंटर और क्रस्ट के रूप में आधुनिक मत सर्वाधिक स्वीकार्य है।

इसके तहत पृथ्वी के कोर में फेरस, निकल और कोबाल्ट जैसे भारी व चुंबकीय तत्व पाये जाते है। इसी के कारण पृथ्वी के चुंबकत्व की उत्पत्ति होती है। साथ ही आंतरिक स्रोत में रेडियोसक्रियता के कारण बाह्य कोर गलित अवस्था में है जिससे संवहन धाराओं की उत्पत्ति होती है यह पृथ्वी के चुंबकत्व को बढ़ता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

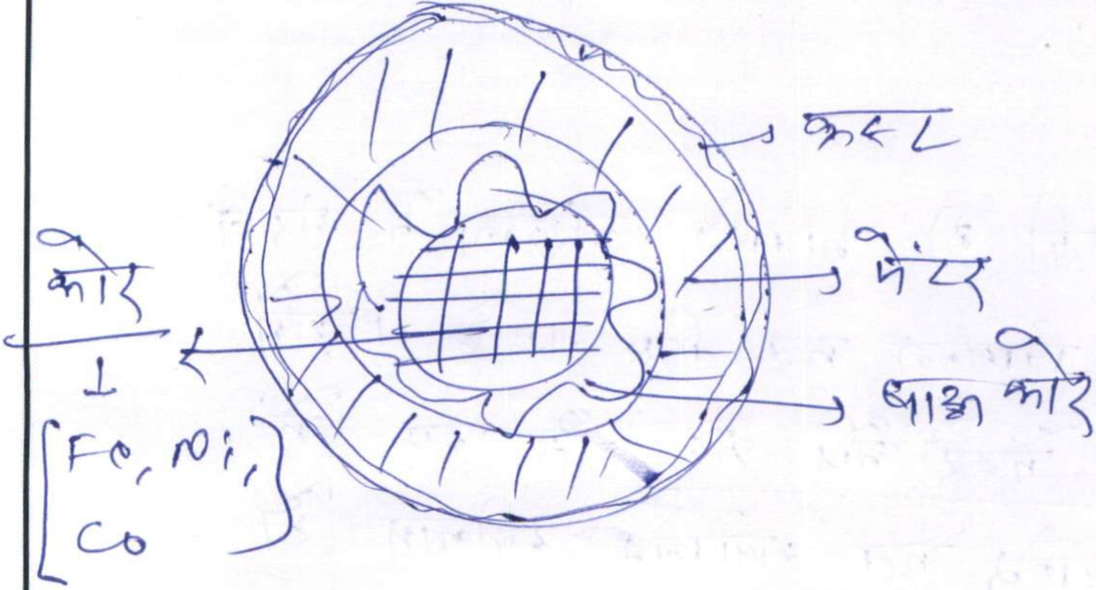

सौर कणों से अंतक्रिया-

(i) ये सूर्य से निकलने वाले सोलर फ्लेयर्स और कणों के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश से रोकता है

(ii) सौर तूफान के कणों से अंतक्रिया कर रोशनी धारा उत्पन्न करता है

↓

उत्तरी ध्रुव पर - अरोरा आईयोलिस

दक्षिणी ध्रुव पर - अरोरा ऑस्ट्रेलिस।

पृथ्वी का चुंबकत्व इसकी गति, संचार तरंगों व नेविगेशन आदि को भी प्रभावित करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Discussing the challenges pertaining to dam safety in India, highlight the potential of Dam Rehabilitation and Improvement Project to address them. **(150 words) 10**

भारत में बांध सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा करते हुए, उन्हें दूर करने के लिए बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना की क्षमता पर प्रकाश डालिए।

जवाहर लाल नेहरू के अनुसार बाँध आधुनिक भारत के मंदिर है। भारत के विकास में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

बाँधों का महत्व:
- जल संरक्षण
- जल विद्युत उत्पादन
- सिंचाई हेतु साधन (नहर आदि)
- विभिन्न जलीय जीवों का आवास
- वर्षा जल के वृहत संरक्षण में उपयोगी

भारत में बाँधों के समक्ष चुनौतियाँ -

① पुरानी अवसंरचनाएँ अब अपमानित एवं कमजोर हो रही है (नीति आयोग)

② गाद जमाव की समस्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ इस प्रकार कृषि व नवीकरणीय स्रोत को ड्रम में लेना। → अनेक लोगों व जीवों के विस्थापन का कारण।

(4) बांधों की कृषि संबंधी विचार और राज्यों में आपसी विवाद। जैसे - मुल्ला पेरियार डैम आदि।

बांध प्रबंधन व सुधार योजना -

- बांधों के नवीकरण का लक्ष्य (संतमयक स्थिति में)
- बांधों से गाद निकालना व जल विद्युत क्षमता बढ़ाना।
- आधुनिक तकनीक का उपयोग एवं 24X7 निगरानी।

हाल ही में सरकार द्वारा DHARMA एवं एवं बांध सुरक्षा बिल - 2019 भी पेश किया गया है। इस आर्थिक संवृद्धि के इंजन के रूप में इनमें सुधार आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What is understood by Carbon Compensation Depth (CCD)? Discuss the implications of the rise in this depth due to anthropogenic warming as well. **(150 words) 10**

कॉर्बनेट क्षतिपूर्ति गहराई या कार्बन कंपनसेशन डेप्थ (CCD) से क्या अभिप्राय है? साथ ही, मानवजनित तापन (एंथ्रोपोजेनिक वार्मिंग) के कारण इस गहराई में हुई वृद्धि के निहितार्थों की भी विवेचना कीजिए।

कार्बन कंपनसेशन डेप्थ (CCD)

यह पर्यावरण पर पड़ने वाले कार्बन उत्सर्जन का आकलन कर यह बताता है कि किस सीमा तक कार्बन उत्सर्जन पर्यावरण को प्रभावित करता है इसकी गहराई बढ़ने का तात्पर्य है कि कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता बढ़ रही है

इसके परिणाम स्वरूप पर्यावरणीय ह्रास में भी तीव्रता आएगी। इस गहराई में वृद्धि होने का मुख्य कारण मानवजनित तापन माना जाता है।

जैसे
- औद्योगिक उत्सर्जन
- कृषि उत्सर्जन
- प्लास्टिक, गैस आदि प्रदूषण
- उत्पादन की प्रदूषण तकनीकी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालिया हुई वृद्धि के निहितार्थ-

(i) यह पुनः ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाएगा। (सतत व चक्रीय प्रभाव पैदा करेगा।)

(ii) जलवायु परिवर्तन की गति को तीव्र करेगा।

(iii) जल, स्वास्थ्य एवं कृषि संबंधी महत्वपूर्ण दुष्परिणाम।

(iv) खाद्य असुरक्षा और व्यापक जैव विविधता हानि।

(v) जलवायु प्रभावित प्रवास को बढ़ावा।

(vi) IPCC-AR-6 - छठा सामूहिक विलोपन।

वर्तमान अवस्था जलवायु परिवर्तन की क्रांतिकता की ओर बढ़ रही है। इस संदर्भ में संगठित एवं तीव्र प्रयासों की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Explaining the concept of social mobility and its relationship with equality, mention the impediments in ensuring it. **(150 words) 10**

सामाजिक गतिशीलता की अवधारणा और समानता के साथ इसके संबंध की व्याख्या करते हुए, इसे सुनिश्चित करने में आने वाली बाधाओं का उल्लेख कीजिए।

सामाजिक गतिशीलता से तात्पर्य समाज की आपसी अंतःक्रिया करने की क्षमता से है जहाँ लोगों में आपसी मेल-जोल का भाव विद्यमान होता है।

सामाजिक गतिशीलता और समानता में ~~अन्यो~~ अन्योन्याश्रित संबंध पाया जाता है।

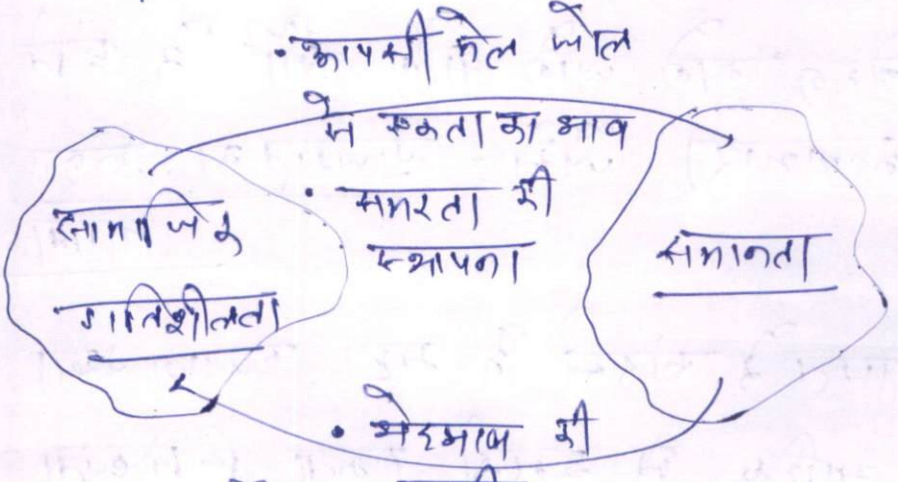

• प्रत्येक व्यक्ति की गरीमा का महत्व

• सामाजिक संतुलन

उपर्युक्त संबंध के समक्ष बाधाएँ-

(i) सामाजिक भेदभाव की स्थिति जैसे जातिभेद और अस्पृश्यता।

(ii) धार्मिक एवं नस्लवादी भेदभाव। (पहचान का संकट की समस्या)

(iii) आपसी आपसी अलगाव

(iv) आर्थिक- सामाजिक विषमता की स्थिति।

(v) क्षेत्रवाद और सांप्रदायिकता की स्थिति।

(vi) निम्न माने जाने वाले वर्गों के प्रति अत्याचार। जैसे - गुजरात का ऊना मामला

भारत के संदर्भ में यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि इसकी एकता विविधता में ही निहित है अतः बिना सामाजिक गतिशीलता के आपसी एकता व समता की स्थापना नहीं की जा सकती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. In view of demographic changes in recent decades, do you think India needs a two-child policy? Discuss in light of various strands of the debate surrounding this issue. **(150 words) 10**

हाल के दशकों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को देखते हुए, क्या आपको लगता है कि भारत में दो-बच्चों की नीति (टू चाइल्ड पॉलिसी) की आवश्यकता है? इस मुद्दे से संबंधित बहस के विभिन्न पहलुओं के आलोक में चर्चा कीजिए।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार वर्ष 2030 तक भारत विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला देश होगा।

पिछले दशकों में हुए जनसंख्या विस्फोट और जनसांख्यिकी परिवर्तनों के संदर्भ में भारत में टू चाइल्ड पॉलिसी का सुझाव दिया जा रहा है।

टू-चाइल्ड पॉलिसी की आवश्यकता क्यों?

(i) अत्यधिक जनसंख्या के कारण ही निर्धनता, खाद्य असुरक्षा और उच्च बेरोजगारी जैसे मुद्दे निरंतर व्याप्त हैं।

(ii) देश में संसाधनों की कमी और सीमित राजकोषीय स्थिति।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) महिला स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण में बाधक तत्व है

(iv) योजनाओं की उपादेयता बढ़ाने हेतु।

विपक्ष में तर्क → (i) भारतीय राज्यों (अधिकांश राज्य) ने प्रतिस्थापन दर (2.1) को प्राप्त कर लिया है (हालिया NFHS-5 के डेटा)

(ii) भारत में जनसांख्यिकी लाभांश की आवश्यकता है

(iii) जनसंख्या नियंत्रण को आरोपित करने के स्थान पर जागरूकता बढ़ाकर लागू करना चाहिए।

(iv) चीन द्वारा भी अपनी नीति में बार-बार बदलाव करने पड़े।

सन्तुलनवादी दृष्टिकोण के अनुसार अब भारत की जनसंख्या वृद्धि दर कम हो रही है अतः जनसंख्या नियंत्रण के साथ कौशलीकरण पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Globalization is incredibly efficient but has so far been incredibly unjust. Examine the statement in the context of developing countries like India.
(150 words) 10

वैश्वीकरण अद्वितीय रूप से दक्ष है परन्तु अब तक अत्यधिक अन्यायपूर्ण रहा है। भारत जैसे विकासशील देशों के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

वैश्वीकरण संपूर्ण विश्व के एक होने की प्रक्रिया है। आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अधिक दृष्टिगोचर होता है।

भारत जैसे विकासशील देशों पर वैश्वीकरण के मिले जुले प्रभाव देखे जाते हैं।

भारत में वैश्वीकरण की

दक्षता	चुनौतियां
• आर्थिक विकास व निवेश में वृद्धि	• विकास प्रक्रिया का बाह्यीकरण।
• सामाजिक गतिशीलता बढ़ाकर जातिभेद जैसी कुरीतियों को कमजोर किया है	• आर्थिक-सामाजिक विषमता बढ़ाकर वर्ग संबंधी विभेद।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- औद्योगिक व सेवा क्षेत्र में विकास व रोजगार के अवसर
- भारत का विश्व में उदय, वैश्विक प्रभाव में वृद्धि।
- पर्यटन में वृद्धि और भारतीय संस्कृति को वैश्विक पहचान। जैसे - योग संस्कृति
- महिलाओं के अधिकारों व स्वतंत्रता में वृद्धि

- कृषि क्षेत्र की अवहेलना
- पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से बढ़ा असमान जैसी दुष्प्रवृत्तियों बढ़ाई।
- संयुक्त परिवारों का विघटन।
- महिलाओं के शोषण में वृद्धि, वेतन अंतराल जैसी समस्याएं आदि।

वैश्वीकरण वर्तमान विश्व की सच्चाई है। इससे बचाव संभव नहीं है हालांकि हमें इसे समायोजित करना चाहिए ताकि यह अपने सकारात्मक रूप में आर्थिक सामाजिक व सांस्कृतिक प्रगति में सहायक हो।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. "It would not be completely wrong to state that in India, art is religion and religion is art." In light of the statement, discuss the impact of various religions on art in India, citing relevant examples. **(250 words) 15**

"यह कहना पूर्णतः गलत नहीं होगा कि भारत में कला ही धर्म है और धर्म ही कला है।" इस कथन के आलोक में, प्रासंगिक उदाहरण देते हुए भारत में कला पर विभिन्न धर्मों के प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

भारत में धर्म एक विशिष्ट महत्व रखता है। इसीलिए यह हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित करता है।

भारतीय कला को धर्म ने विशेष रूप से प्रभावित किया है।

(i) वास्तुकला — • राजपूत भवनों में भारतीय नागर शैली का प्रभाव यह हिंदू धर्म से संबंधित मंदिर निर्माण में दिखाई देती है।

• इस्लाम से संबंधित मेहराब एवं मेहराब पद्धतियों का भारत में

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मध्यकालीन स्थापत्य पर प्रभाव।

(२) चित्रकला

- मंदिरों में देवी-देवताओं के चित्रों का अंकन।
- मध्यकाल में अकबर द्वारा चित्रकला को ईश्वर से जोड़ा जाना।

(३) मूर्तिकला

- मंदिर निर्माण की मथुरा शैली पर स्वदेशी हिंदू धर्म का प्रभाव।
- गांधार शैली पर हिंदू धर्म के साथ इस्लाम एवं ईसाई धर्म का प्रभाव।

(४) संगीत

- रागों और कर्नाटक संगीत की भक्ति भागवत जैसे विषय केंद्र है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

• सूफी संगीत, कव्वाली आदि का प्रचलन।

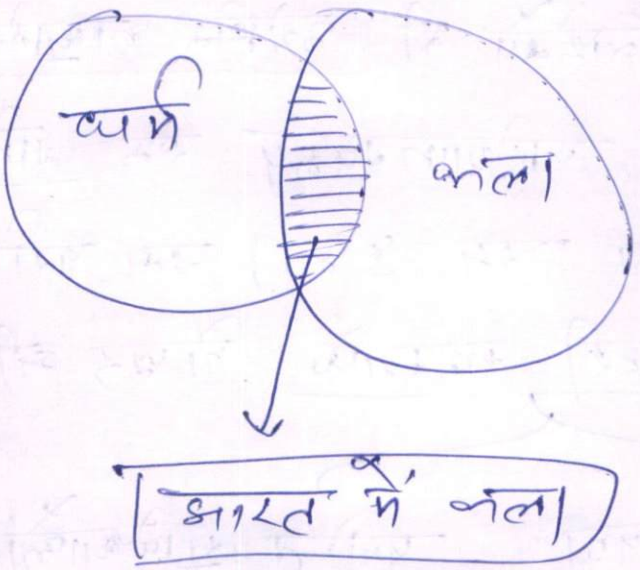

वस्तुतः भारत में धर्म की भूमिका केवल ईश्वर के संदर्भ में नहीं है यह सामाजिक व सांस्कृतिक रचनात्मकता के विकास में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है

12. Despite organizational apathy from the Indian National Congress in its initial years, the working class in various parts of the country subsequently participated overwhelmingly in the nationalist movement. Discuss.

(250 words) 15

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रारंभिक वर्षों में संगठनात्मक रूप से इससे दूर रहने के बावजूद, देश के विभिन्न हिस्सों में मजदूर वर्ग ने बाद में राष्ट्रवादी आंदोलन में प्रभावशाली रूप में भाग लिया। चर्चा कीजिए।

भारत में ब्रिटिशों की औपनिवेशिक आधुनिकीकरण की नीति के परिणामस्वरूप एक श्रमिक मजदूर वर्ग का उदय हुआ। इस वर्ग के समक्ष दोहरी समस्याएँ मौजूद थीं।

ब्रिटिश शोषण — पर्याप्त सुविधाओं की कमी।

भारत में यद्यपि मजदूर वर्ग प्रारंभ से कांग्रेस के संगठनात्मक रूप से दूर था। लेकिन विभिन्न रूपों में इसने राष्ट्रवादी समर्थों को आगे बढ़ाया।

(i) शोराबजी शापूर्जी बंगाली द्वारा ब्रिटिश श्रमिक नीतियों का विरोध।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) बॉम्बे में नारायण मेघाजी लोखंडे द्वारा "श्रमिक" पत्र का संपादन और शोषण के विरुद्ध व्यापक प्रदर्शन।

(iii) बाल गंगाधर तिलक की गिरफ्तारी पर ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे के कर्मचारियों द्वारा प्रथम राष्ट्रव्यापी हड़ताल।

(iv) महात्मा गाँधी के नेतृत्व में अहमदाबाद मिल हैंड एसोसिएशन की स्थापना और प्लेग बोनस प्रदर्शन।

(v) मद्रास ट्रेड यूनियन की स्थापना।

1920 के समय से कांग्रेस में भी मजदूर वर्ग का प्रभाव बढ़ने लगा। महात्मा गाँधी द्वारा कांग्रेस को जन संगठन का रूप दिया गया। इसमें श्रमिक संबंधी आंदोलनों को भी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गति मिली।

(i) बॉम्बे में श्रमिक प्रतिष्ठान की स्थापना।

(ii) AITUC की स्थापना और सरकारी नीतियों की संगठित आलोचना को बढ़ावा।

(iii) सरकार के ट्रेड यूनियन एक्ट का संगठित विरोध आदि।

हालांकि श्रमिक एवं मजदूर वर्ग राष्ट्रीय आंदोलन में उतना अधिक सक्रिय दिखाई नहीं देता है लेकिन वास्तविकता में यह राष्ट्रीय आंदोलन को जनता के अंदर रहकर संबल प्रदान कर रहा था। भारत में हुए क्रमिक श्रम सुधार इसका उदाहरण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Though some of his early measures restored faith among the Indians in the liberal tradition of England, Lord Ripon's tenure did not bring about significant changes in the conservative mindset of the colonial bureaucracy. Comment. **(250 words) 15**

यद्यपि लॉर्ड रिपन द्वारा किए गए कुछ शुरुआती उपायों ने इंग्लैंड की उदार परंपरा में भारतीयों के विश्वास को पुनर्बहाल किया, तथापि उसके कार्यकाल में औपनिवेशिक नौकरशाही की रूढ़िवादी मानसिकता में महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुए। टिप्पणी कीजिए।

ब्रिटिश काल में समय-समय पर आने वाले गवर्नर जनरल और वायसरायों ने शासन संबंधी विभिन्न नीतियां अपनाई।

लॉर्ड रिपन का काल भारत में 1882 से लॉर्ड लिटन के बाद वायसराय के रूप में प्रारंभ हुआ। लिटन की प्रतिक्रियावादी नीति के विपरीत उन्होंने उदारवादी दृष्टिकोण अपनाया।

(i) लॉर्ड रिपन के सिविल सेवा की आयु को पुनः बढ़ाया। (लिटन द्वारा कमी का 23 से 19 वर्ष)

(ii) लिटन द्वारा प्रारंभ वैधानिक सिविल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सेवा को समाप्त किया।

(iii) इल्बर्ट बिल पेश किया जिसके तहत भारतीय न्यायाधीशों को यूरोपियों के संदर्भ में न्याय निर्णयन का अधिकार दिया। (हालांकि ब्रिटिश अधिकारियों के विरोध के कारण वापस ले लिया गया)

(iv) भारतीय प्रेस के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया और लिटन के वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट को निरस्त किया।

यद्यपि रिपन द्वारा ये उदारवादी कार्य किए गए परंतु नौकरशाही की औपनिवेशिक मानसिकता के कारण इसकी सफलता अत्यंत न्यून रही।

(i) भारत में नौकरशाही पर ब्रिटिश

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार का कठोर नियंत्रण।

(ii) अंग्रेज नौकरशाहों द्वारा भारतीयों के अधिकार दिए जाने का विरोध। (इल्बर्ट बिल पर श्वेत विद्रोह)

(iii) इस दौर में भी नौकरशाही का भारतीयकरण अत्यंत कम बना रहा।

(iv) शोषणकारी आर्थिक नीतियों के स्वरूप में परिवर्तन नहीं आया।

इस प्रकार लार्ड रिपन के कार्य उदारवादी जरूर थे लेकिन अंतत: ब्रिटिश हितों के सर्वोपरी माने जाने के कारण इनकी उपादेयता शून्य ही रही।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. The New Social Movements in post-independence period made an important beginning in awakening the society against injustices and deepened the very notion of democracy in India. Discuss. **(250 words) 15**

स्वातंत्र्योत्तर अवधि में नए सामाजिक आंदोलनों ने अन्याय के विरुद्ध समाज को जागरूक बनाने में एक महत्वपूर्ण शुरुआत की और भारत में लोकतंत्र की धारणा को सुदृढ़ किया। चर्चा कीजिए।

भारत में न केवल स्वतंत्रता पूर्व आंदोलन का दौर था बल्कि स्वतंत्रता पश्चात भी सामाजिक न्याय हेतु विभिन्न आंदोलन होते रहे।

स्वातंत्र्योत्तर भारत में आर्थिक विषमता, कृषि की लाभकारिता, आवासी विवाद, देश का प्रदूषण एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी विभिन्न चुनौतियां विद्यमान थी। इस अवधि में आंदोलनों ने इन्हें संबोधित किया।

(1) भूदान आंदोलन - भारत में भूमिहीनों को भूमि दिलाने व सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने हेतु यह आंदोलन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

चलाया गया ज्योतिबा फुले द्वारा गाँधीवादी रणनीति पर आधारित था।

(2) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चिपको आंदोलन महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

(3) आपातकाल के उपयोग के संदर्भ में J.P. नारायण आदि के नेतृत्व में चलाया गया आंदोलन।

(4) महिलाओं अधिकारों को बढ़ावा देने हेतु इलास एवं SEWA की स्थापना।

(5) सूचना के अधिकार एवं भ्रष्टाचार के विरुद्ध लोकपाल बिल के संदर्भ में 21 वीं सदी के आंदोलन।

(6) बचपन बचाओ आंदोलन।

भारत में इन आंदोलनों ने विभिन्नों वर्गों की समस्याओं को

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

संबोधित कर इनके उत्थान का कार्य किया।

यह प्रवृत्ति निरंतर गतिशील होती रही है। इसी कारण लगातार लोकतंत्र सुदृढ़ होता रहा है

वर्तमान समय में भी सफाई कर्मचारी संबंधी, श्रम अधिकार संबंधी, महिला अधिकार और बाल संरक्षण संबंधी आंदोलन निरंतर इन वर्गों के उत्थान का कार्य कर रहे हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. What are the reasons for recurrent and often catastrophic wildfires in places like Australia and the United States? Are there any lessons to be learnt from these events by India? Explain adequately. **(250 words) 15**

ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में बार-बार और प्रायः विनाशकारी वनाग्नि के क्या कारण हैं? क्या भारत को इन घटनाओं से कोई सीख लेनी चाहिए? विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर वनाग्नि संबंधी घटनाओं में वृद्धि देखने को मिली है।

जैसे —
- अमेरिका के पश्चिमी तट पर
- ऑस्ट्रेलिया का न्यू साउथ वेल्स क्षेत्र
- ब्राज़ील के अमेज़न वर्षावन आदि।

ऑस्ट्रेलिया एवं USA जैसे देशों में वनाग्नि घटनाओं के कारण—

(i) प्रभावित क्षेत्रों की उपोष्ण कटिबंधीय स्थिति।

[USA में – रॉकीज वृष्टि छाया क्षेत्र
ऑस्ट्रेलिया – ग्रेट डेजर्ट का क्षेत्र]

(ii) जलवायु परिवर्तन के कारण तापन की समस्या।

(iii) अलनीनो के कारण वर्षा के प्रारूप बदलाव आदि।

FSI के अनुसार कुल वनावरण का 21.4% क्षेत्र वनाग्नि प्रवण

भारत में वनाग्नि की स्थिति

शुष्क व अर्द्धशुष्क वनों की अधिकता

बढ़ता तापन और घटता मानसून

उत्तराखंड, उत्तर-पूर्व के जंगलों आदि में वनाग्नि की घटनाएँ।

अधोलिखित उपाय किए जाने चाहिए -

(i) वनों का मानचित्रण और सुभेद्यता आकलन।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) वन संबंधी डेटा का केंद्र व राज्य स्तर पर आनन्वय।

(iii) राष्ट्रीय वानिकी नीति - 2018 का उचित क्रियान्वयन।

(iv) वनों में मानवीय गतिविधियों का निरंतर विनियमन करना।

(v) ड्रोन, स्मार्ट फायर सेंसर आदि जैसी तकनीकों का उपयोग।

(vi) सामुदायिक एवं स्थानीय निवासियों के सहयोग से संरक्षण पर बल। (वन अधिकार मान्यता अधिनियम के अधिकल्पित)

भारतीय संविधान का Art 48A वन संपदा के संरक्षण की बात करता है। इस दिशा में गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है।

16. Discuss why India needs a cross border flood management mechanism. Also, state the major issues in cross border flood management and suggest remedial measures in this context. **(250 words) 15**

चर्चा कीजिए कि भारत को सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन तंत्र की आवश्यकता क्यों है। साथ ही, सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन से जुड़े प्रमुख मुद्दों को वर्णित करते हुए इस संदर्भ में उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

भारत के भौगोलिक विस्तार और भौगोलिक विविधता के कारण ना सिर्फ घरेलु अपितु सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन भी अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है।

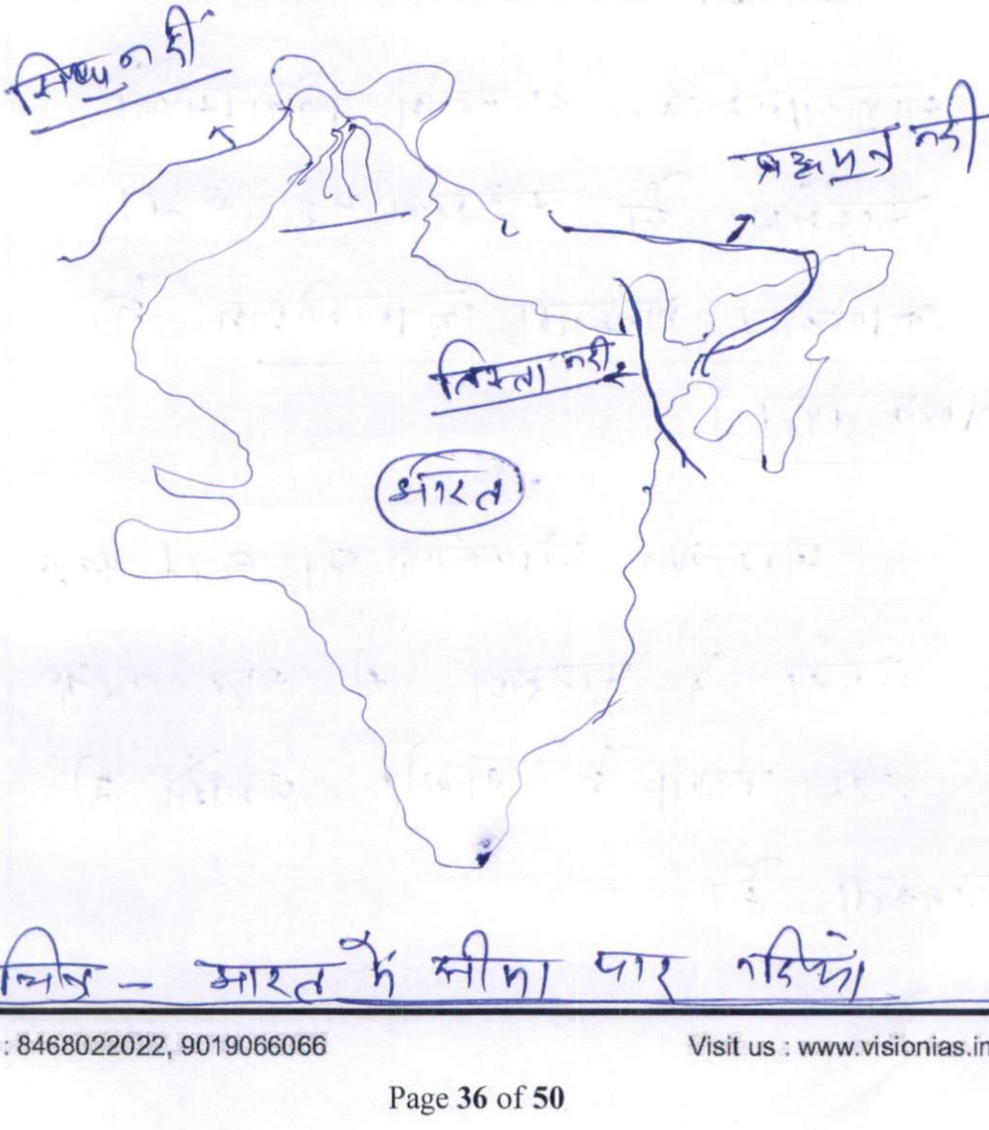

चित्र - भारत में सीमा पार नदियां

सीमापार बाढ़ प्रबंधन की आवश्यकता

- सीमा विवाद का हल करने हेतु
- घरेलू प्रभावों (कृषि आजीविका) से निपटने हेतु
- जल से प्रतिस्पर्धापूर्ण उपयोग और आपदा प्रबंधन हेतु।

सीमा पार बाढ़ प्रबंधन संबंधी चुनौतियाँ

(i) भारत के चीन व पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के साथ अहल सीमा विवादों की स्थिति।

(ii) बांग्लादेश से जल विवादों का पूर्ण हल नहीं।

(iii) जल संबंधी डेटा के अंतर्राष्ट्रीय आदान प्रदान की व्यवस्था नहीं। (सिंधु समझौते के संदर्भ में भारत-पाकिस्तान विवाद)

(iv) अधिकांश नदियाँ पहाड़ी / हिमालयी क्षेत्रों में सीमापारीय है।
अतः भौगोलिक कठिनता संबंधी चुनौतियाँ।

इस हेतु उपचारात्मक उपाय

(i) सिंधु जल समझौते का शांतिपूर्ण क्रियान्वयन
(ii) बांग्लादेश से जल विवादों के हल कर जल डेटा साझा करना
(iii) ब्रह्मपुत्र नदी के संदर्भ में चीन से डेटा साझाकरण संबंधी संधि एवं आपसी वार्ता
(iv) अवसंरचना निर्माण एवं घरेलू स्तर पर नदियों को जोड़ना। आदि।

सीमापार जल विवाद अंतर्देशीय संबंधों को भी प्रभावित करते है इनका प्रबंधन आवश्यक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Depletion of water resources in India is both a geo-climatic phenomenon as well as a result some short-sighted government policies. Discuss.

(250 words) 15

भारत में जल संसाधनों का ह्रास एक भू-जलवायु (जियो-क्लाइमेटिक) घटना के साथ-साथ कुछ अदूरदर्शी सरकारी नीतियों का परिणाम है। चर्चा कीजिए।

नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में भौमजल तेजी से गिर रहा है एवं आगामी एक दशक में यह गंभीर समस्या बन सकता है।

भारत में जल संसाधनों के ह्रास ने जल तनाव को भी बढ़ावा दिया है इसके महत्वपूर्ण कारण निम्नलिखित हैं:

(1) भू- जलवायु संबंधी -

- उष्ण कटिबंधीय देश की स्थिति
- जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून पैटर्न में बदलाव (मानसून औसत से कम वर्षा).

• ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियरों का सूखना।

बारहमासी नदियों के जल स्रोतों की कमी

• शुष्क व अर्द्धशुष्क परिस्थितियों के कारण जल की आवश्यकता अधिक।

• बंगाल की खाड़ी के चक्रवातीय अवदाबों की कमी।

(२) अदूरदर्शी सरकारी नीतियाँ -

• हरित क्रांति के कारण उपयोग के बाद गए बीजों की अत्यधिक सिंचाई आवश्यकता। (अत्यधिक भौमजल विदोहन)

• कृषि में जल उपयोग पर कोई नियंत्रण नहीं।

भौमजल उपयोग। ←

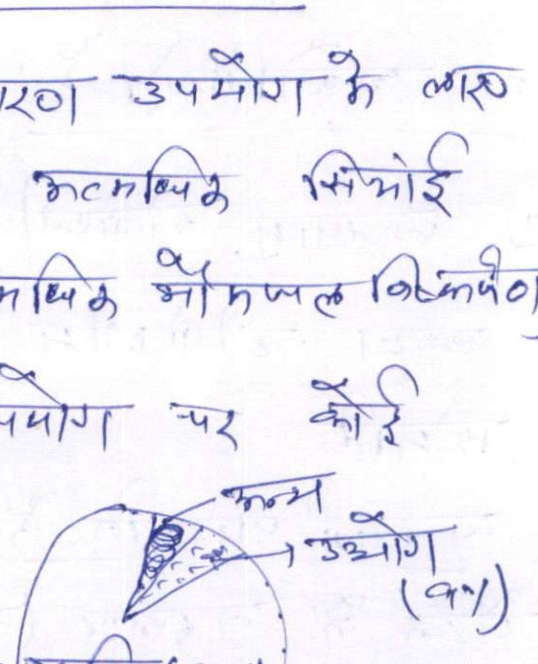

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- जल गहन फसलों पर अत्यधिक MSP की नीति।
- सरकारी उद्यमों (विशेषतः ताप विद्युत) द्वारा जल का अतिक्रम उपयोग एवं प्रदूषण।
- जल के संदर्भ में राष्ट्रीय नीति का प्रभावी क्रियान्वयन न होना।

विश्व बैंक के अनुसार

भारत में बड़े शहर जोखिम के करीब है जहां जल शून्यता की स्थिति उत्पन्न होगी।

इस संदर्भ में भारत को

जल संरक्षण → जल उपयोग → जल शोधन तंत्र को बढ़ावा देने कि आवश्यकता है जल मूल्य निर्धारण एवं इक्विटी सिद्धांत भी एक नवाचारी उपाय है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. What are the major lithospheric plates? How and why do these plates move? **(250 words) 15**

प्रमुख स्थलमंडलीय प्लेटें कौन-सी हैं? ये प्लेटें कैसे और क्यों गति करती हैं?

पृथ्वी स्थलाकृति के संदर्भ में सबसे स्वीकार्य प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी पर (7) प्रमुख प्लेटें व अन्य गौण प्लेटें हैं

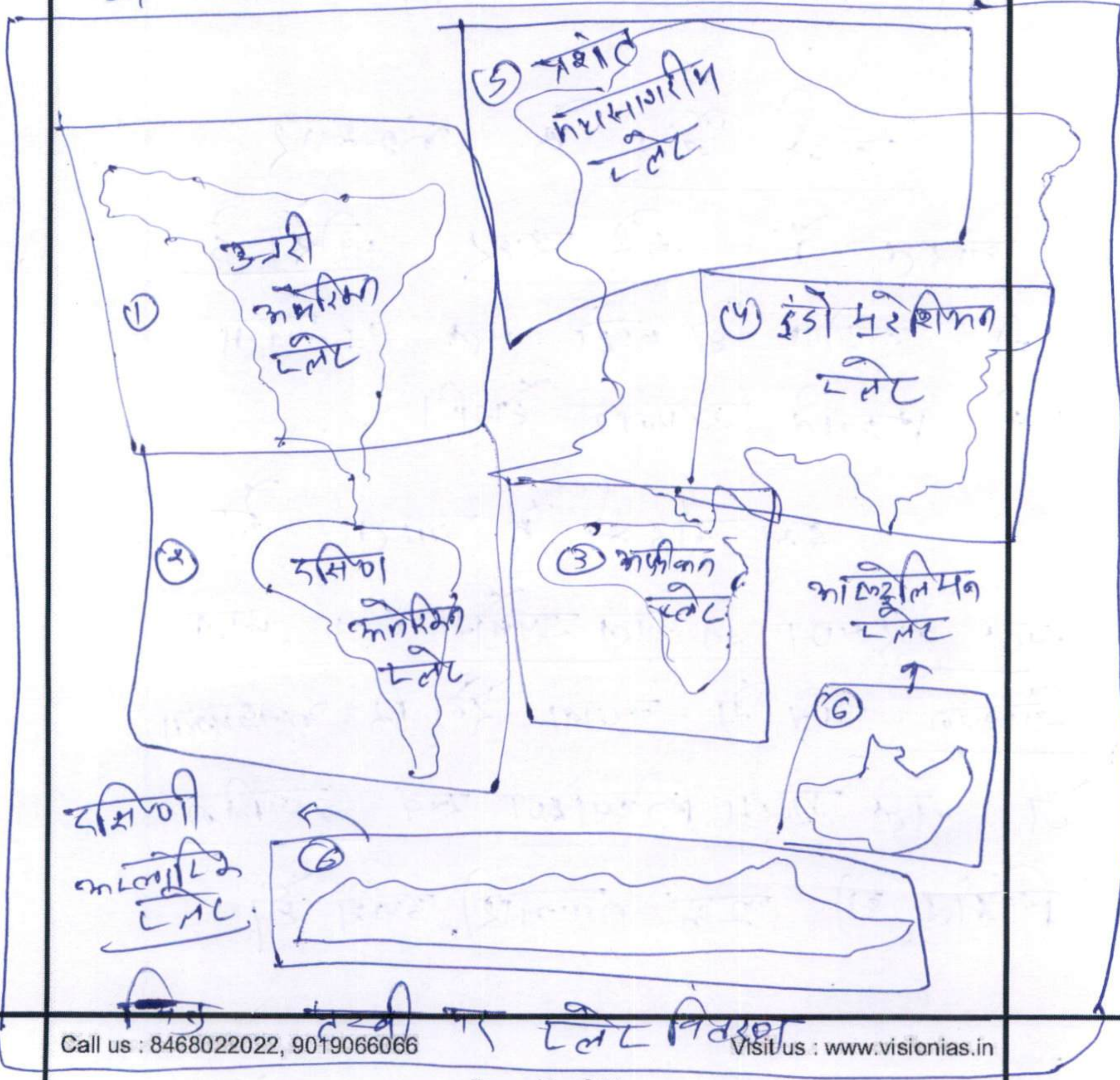

विश्व पृथ्वी पर प्लेट वितरण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्य गौण प्लेटें-

- नाज़्का प्लेट
- कोकोस प्लेट
- कैरेबियन प्लेट etc.

प्लेटों की गति का कारण

↳ इसका प्रमुख कारण संवहन धाराएँ हैं। ये धाराएँ दुर्बलता मंडल में रेडियो सक्रिय अभिक्रियाओं के कारण उत्पन्न होती हैं। इससे मैंटल प्लूम बनता है जिससे संवहन धाराएँ उत्पन्न होती हैं।

प्लेटों की गति
- अभिसारी गति
- अपसारी गति
- रूपांतरित सीमा गति

(i) अभिसारी गति - प्लेटों का एक-दूसरे के निकट आना जैसे अफ्रीकन प्लेट व

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इंडोनेशियन प्लेट पर भूकंप ज्वालामुखी का गहन क्षेत्र है

(ii) अपसारी गति - प्लेटों का एक दूसरे से दूर जाना। जैसे मध्य महासागरीय कटक में। इसमें कम तीव्रता वाले ज्वालामुखी व भूकंप उत्पन्न होते है

अभिसारी | अपसारी।

(iii) रूपान्तरकारी सीमा

प्लेटों के एक दूसरे से भ्रंश सीमा पर विपरीत गति करना।

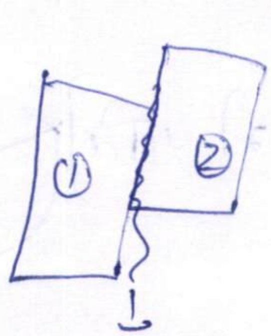

भ्रंश सीमा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. There exists a wide gap between the constitutionally professed secularism and its practice in India. Do you agree? Substantiate with relevant arguments. **(250 words) 15**

संवैधानिक रूप से घोषित पंथनिरपेक्षता और भारत में इसे व्यवहार में लाने के बीच एक व्यापक अंतर मौजूद है। क्या आप इससे सहमत हैं? प्रासंगिक तर्कों के साथ पुष्टि कीजिए।

भारत में धार्मिक विविधता इसे पंथनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में स्थापित करती है। 42 वें संविधान संशोधन द्वारा प्रस्तावना में भी पंथनिरपेक्षता को जोड़ा गया है।

भारतीय पंथनिरपेक्षता की अवधारणा

(i) इसके तहत राज्य सभी धर्मों का समान संरक्षण करेगा और राज्यों का कोई राजकीय धर्म नहीं होगा।

(ii) राज्य सामाजिक कल्याण और नैतिकता के संदर्भ में धर्म के सकारात्मक हस्तक्षेप कर सकता है।

(iii) धार्मिक आधार पर सांप्रदायिकता

और भेदभाव को कम करने हेतु परस्पर सहिष्णुता और सौहार्द स्थापित करना।

पंथनिरपेक्षता को व्यवहार में लाने में चुनौतियाँ →

(i) आपसी धर्मों में कट्टरतावाद और सांप्रदायिकता।
जैसे 2002 - गोधरा दंगे
2013 - मुजफ्फरनगर दंगा
आदि।

(ii) धर्मों के आंतरिक पक्ष के स्थान पर बाह्य पक्ष पर आधारित होकर विवाद।

(iii) लोगों (विशेषतः युवाओं) में बढ़ता ध्रुवीकरण।

(iv) अनुचित सांस्कृतिक विश्लेषण और विषमता के कारण भेदभाव एवं सांप्रदायिकता को बढ़ावा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(v) धर्मोन्मादित वोट बैंक और ध्रुवीकरण की राजनीति।

(vii) विभिन्न धार्मिक संगठनों की चरम प्रतिक्रियावादी कार्यवाइयाँ जैसे

ऑनर हत्या, लव जिहाद और सांप्रदायिक भाषण आदि।

भारत वस्तुत: विविधतापूर्ण देश है परंतु इस विविधता के समायोजन की आवश्यकता है।

धर्म भारत में केंद्रीय मूल्य रखता है। अत: सर्वधर्म समभाव को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

आपसी समागम, इतिहास की गैर सांप्रदायिक शिक्षा और प्रभावी विधायन द्वारा वास्तविक पंथनिरपेक्षता को साकार किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. India spends less than one per cent of GDP on care work infrastructure and services. In view of the statement, explain how increased public investment in care economy infrastructure can be instrumental in meeting multiple policy objectives. **(250 words) 15**

भारत द्वारा देखभाल से संबंधित अवसंरचना और सेवाओं पर जी.डी.पी. के एक प्रतिशत से भी कम व्यय किया जाता है। इस कथन के आलोक में, स्पष्ट कीजिए कि देखभाल अर्थव्यवस्था अवसंरचना (केयर इकोनॉमी इंफ्रास्ट्रक्चर) पर सार्वजनिक निवेश में वृद्धि कई नीतिगत उद्देश्यों को पूरा करने में कैसे सहायक हो सकती है।

केयर इकोनॉमी का आशय देश में देखभाल संबंधी लोगों व वर्गों को अर्थव्यवस्था की मुख्य धारा में लाना।

भारत में इस संदर्भ में घरेलू महिलाएं, घरेलू वर्कर और कुछ संस्थाओं के द्वारा भी शामिल है यहां शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास का महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है।

भारत में केयर इकोनॉमी अवसंरचना की समस्याएँ

- निजी व सार्वजनिक निवेश की कमी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- इनसे संबंधित कार्यों को पूर्ण मान्यता नहीं।
- वित्तीय समावेशन में कमी
- अशिक्षा, अकुशलता आदि चुनौतियां

केयर इकोनॉमी में निवेश वृद्धि के बहुआयामी लाभ :

(1) आर्थिक
- संसाधन गतिशीलता
- संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण।
- सभी के भागीदारी से मांग जनित वृद्धि।

(2) सामाजिक
- शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मानकों में सुधार
- महिला सशक्तिकरण।
- सोशल कैपिटल में वृद्धि

③ जनसांख्यिकी लाभांश का समायोजन आदि।

महिला संबंधी
- मातृत्व वंदना योजना,
- मातृत्व लाभ एक्ट

↑

इस दिशा में सरकार के प्रयास

← नेशनल पॉलिसी ऑन ओल्डर पर्सन्स

→ प्राथमिक स्वास्थ्य की दिशा में बजट में वृद्धि आदि।

केयर इकोनॉमी अर्थव्यवस्था के प्रथम क्षेत्रों को गति प्रदान करती है जिससे समावेशी विकास होता है।